Vol. 2025-4
October- December 2025

e-NewsLetter

(MPBOU)

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal
Raja Bhoj Marg, Kolar Road, Bhopal (M.P.)

दिपावली मिलन समारोह
दिनांक - 31 अक्टूबर 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल में दिपावली मिलन समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों द्वारा एक दूसरे को दिपावली की बधाई दी गई । इस अवसर पर सभी कर्मचारियों ने प्रतिबद्धता से कहा कि वे विश्वविद्यालय के विकास के लिए तत्परता से कार्य करेंगे । विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया सहित सभी विभाग के निदेशकों द्वारा समस्त कर्मचारियों को दिपावली की शुभकामनाएं दी । साथ ही सभी कर्मचारियों को भेंट स्वरूप समृति उपहार भेंट किए गए।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस
दिनांक - 01 नवंबर 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विद्यार्थियों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इन प्रतियोगिताओं के उद्घाटन अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की प्रभारी कुलगुरु प्रो. विभा मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, अधिकारी और कर्मचारी गण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

उद्घाटन कार्यक्रम में सर्वप्रथम कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नीलम वासनिक ने मंच पर आसीन अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने दो दिवस में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विषय तथा उन प्रतियोगिताओं के आयोजन समितियों तथा निर्णायक मंडल के संबंध में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस श्री बी बी शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश का हमारे इतिहास और साहित्य में बहुत ही उल्लेखनीय भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि वृंदावन लाल वर्मा के उपन्यास मध्य प्रदेश के बारे में बहुत सुंदर चित्र रेखांकित करते हैं। माखनलाल चतुर्वेदी ने 'पुष्प की अभिलाषा' कविता बड़े ही सुंदर ढंग से लिखी है। इसके साथ ही बुंदेलखंड के कवि भूषण ने वीर रस की कविताएं रची लिखी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने मध्य प्रदेश की प्राकृतिक छटा का वर्णन अपने साहित्य और कविताओं में बड़े ही सुंदर ढंग से किया है।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस
दिनांक - 01 नवंबर 2025

प्रभारी कुलसचिव श्री नितिन सांगले द्वारा मध्य प्रदेश के 70 वर्ष की विकास यात्रा एवं गौरवशाली इतिहास, परंपरा एवं उपलब्धियों की गाथा पर केन्द्रित लेख का वाचन किया। लेख का शीर्षक था 'मैं मध्य प्रदेश बोल रहा हूं'। इस लेख में उन्होंने मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक, प्राकृतिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक विशेषताओं का उल्लेख किया।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस
दिनांक - 01 नवंबर 2025

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी कुलगुरु प्रो. विभा मिश्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसकी सांस्कृतिक विरासत, महापुरुष, आदिवासी, कलाएं ,महेश्वर की साड़ियां, खजुराहो के मंदिर ,प्राकृतिक सुंदरता, राष्ट्रीय उद्यान , जैव विविधता आदि देश में विशिष्ट हैं। हमारा मध्य प्रदेश निरंतर प्रगति पाथ पर अग्रसर है। प्रोफेसर मिश्रा ने सभी से आवाहन किया कि हमें शिक्षा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश को आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए ।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश गान गाया गया तथा मध्य प्रदेश की विरासत पर आधारित 'जय हो' नामक गीत का वीडियो भी दिखाया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सह-संयोजक और प्रवेश एवं मूल्यांकन विभाग के निदेशक डॉ सतीश पाटील द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश देश का केंद्र बिंदु है। यह देश का हृदय प्रदेश है। मध्य प्रदेश में दो नदियां हैं ताप्ती और नर्मदा जो विपरीत दिशा में बहती है।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस
दिनांक - 01 नवंबर 2025

विश्वविद्यालय में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्वर्णिम मध्य प्रदेश विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गयास मध्य प्रदेश की कला एवं सांस्कृतिक परंपरा पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ तथा मध्य प्रदेश के गौरव एवं प्रतिभाओं पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। इन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया स कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन और रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉक्टर नरेंद्र त्रिपाठी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम दिवस में भाषण प्रतियोगिता तथा लोक गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ । सभी प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारी अधिकारी और विद्यार्थीगण भारी मात्रा में उपस्थित रहे। समापन कार्यक्रम में सर्वप्रथम कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नीलम वासनिक द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस
दिनांक - 03 नवंबर 2025

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की प्रभारी कुलगुरु प्रो. विभा मिश्रा ने कहा कि हमें मध्य प्रदेश को शिक्षा रोजगार और उद्योग के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित होना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कार्यक्रम को हम सबको आत्मसात करना चाहिए और अपने घर, अपने कार्यालय, परिसर तथा अपने नगर को साफ और स्वच्छ बनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में इंदौर का उदाहरण देते हुए कहा कि किस प्रकार उन्होंने दिवाली की रात में ही सारा कचरा साफ करके सुबह 6:00 बजे तक इंदौर शहर को साफ और स्वच्छ बना दिया।

समापन कार्यक्रम में मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉक्टर सुशील मंडेरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि मध्य प्रदेश में विकास से संबंधित विभिन्न उपलब्धियां जुड़ती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्र बनाने में उस राष्ट्र के नागरिकों का योगदान अहम् होता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पूरे देश में इंदौर एक ऐसा शहर है जो लगातार सातवीं बार स्वच्छ शहर के रूप में घोषित हुआ है। इससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने नगर को भी स्वच्छ और साफ रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित देशों और विकासशील देशों में अंतर यही है कि विकसित देशों के कर्मचारी हड़ताल के दौरान भी काम बंद नहीं करते बल्कि बल्कि आधा कार्य जारी रखते हैं और जब उनकी मांगे पूरी हो जाती हैं तो वह शेष बचा हुआ कार्य संपन्न करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का आवाहन है कि हमें सरकारी नौकरियों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए बल्कि खुद के मालिक बनना चाहिए।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सह-संयोजक और प्रवेश एवं मूल्यांकन विभाग के निदेशक डॉ सतीश पाटील द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन और रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉक्टर नरेंद्र त्रिपाठी द्वारा किया गया।

Making India Employable Conference and Award's
दिनांक - 07 नवंबर 2025

रोजगार योग्य बनाने की पहल

नगर. टीमलीज एडटेक का ध्यान सिर्फ बेरोजगारी के आंकड़ों से हटाकर एक बड़ी चुनौती की ओर खींच रहा है. बढ़ती हुई स्किल गैप के मकसद को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने नोवोटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट होटल में 'मेकिंग इंडिया एम्प्लॉयेबल कॉन्फ्रेंस एंड अवॉर्डस का तीसरा संस्करण आयोजित किया. इसमें शिक्षा, उद्योग, नीति और समाजसेवा से जुड़े लोग शामिल हुए, जो एक ही सोच साझा करते हैं. रोजगार योग्यता अकेले नहीं बनती, यह व्यक्तियों, संस्थाओं और समाज के साथ मिलकर काम करने से संभव है. इस साल का थीम था एक्सेलरेटिंग इम्पैक्ट इनेब्लिंग ड्रीम्स जो इस आंदोलन की भावना को दर्शाता है. एमआईईसीए 2025 ने ऐसे 122 लोगों और संगठनों को सम्मानित किया जिनका काम जमीनी स्तर पर लोगों को रोज़गार के लिए तैयार करने में मददगार रहा है. टीमलीज एडटेक के फाउंडर और सीईओ शांतनु रूज ने कहा कि असल समस्या बेरोज़गारी नहीं, बल्कि रोजगार-योग्यता की कमी है.

नवाचार पर प्रेरक व्याख्यान
दिनांक - 14 नवंबर 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में संस्थानिक नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा "माय स्टोरी" शीर्षक के तहत सफल उद्यमी और नवाचारक द्वारा प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर "महाशक्ति सेवा केंद्र" भोपाल, की अध्यक्ष सुश्री पूजा आयंगर ने प्रेरक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्थानिक नवाचार प्रकोष्ठ की इंचार्ज एवं कार्यक्रम की संयोजक डॉ. शुचि मिश्रा ने कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए कहा कि, संस्थानिक नवाचार प्रकोष्ठ विद्यार्थियों में सृजनात्मक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है। इसी के तहत प्रेरणा व्याख्यान का आयोजित किया गया।

नवाचार पर प्रेरक व्याख्यान
दिनांक - 14 नवंबर 2025

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने कहा कि, वास्तव में उद्यमिता और नवाचार हमारे शैक्षिक जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों से जो छात्र निकलते हैं, उनमें से अधिकतर नौकरी ढूंढने वाले होते हैं। हमें यह सुनिश्चित करना है कि, इनमें से अधिकतर नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बने। उद्यमिता हमारा स्वभाव होना चाहिए। तभी हम स्वावलंबी बन सकेंगे। उद्यमिता और नवाचार के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुत अधिक बल दिया गया है। जिन विधार्थियों ने मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे निबंध प्रतियोगिता,रंगोली प्रतियोगिता,पोस्टर प्रतियोगिता,भाषण प्रतियोगिता तथा लोक गायन प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया था उन्हें कुलगुरु प्रो. दांडेकर ने इस अवसर पर प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए।

नवाचार पर प्रेरक व्याख्यान
दिनांक - 14 नवंबर 2025

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि सुश्री पूजा आयंगर ने अपने व्याख्यान में बताया कि, महाशक्ति सेवा केंद्र की स्थापना भोपाल गैस त्रासदी जो 1984 में घटित हुई थी। उससे प्रभावित महिलाओं के उत्थान के लिए 1993 में स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना मेरी मां और मदर टेरेसा ने मिलकर की थी। सुश्री पूजा ने अपने एनजीओ की विकास यात्रा का विवरण विद्यार्थियों के समक्ष रखा। इस अवसर पर माँ शक्ति सेवा केंद्र की गतिविधियों पर आधारित एक व्रत चित्र का प्रदर्शन भी किया। उन्होंने कहा कि, हमारा केंद्र गैस पीड़ित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। हमने लगातार 5 सालों तक सिलाई पर विशेष रूप से कार्य किया और महिलाओं को प्रशिक्षित करवाया।

उन्होंने कहा कि कोई एनजीओ के उत्पाद नहीं खरीदेगा, जब तक वह बाजार के मानकों के अनुसार ना बने हो। उन्होंने कहा कि हमारा केंद्र पुराने कपड़ों से विभिन्न प्रकार के बैग, खिलौने, मास्क आदि का निर्माण करता है। हमने पुराने अनुपयोगी कपड़ों से विभिन्न प्रकार के नवाचार कर नए-नए उत्पाद बनाए हैं और उनकी मार्केटिंग की है। मार्केटिंग में सोशल मीडिया और डिजिटल मार्केटिंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि, हमने बच्चों के लिए खिलौने बनाए इससे कई महिलाओं को रोजगार मिला।आज हमारे पास कार्य आदेशों की कोई कमी नहीं है। हमारे पास भारत से ज्यादा विदेश के कार्य आदेश मिल रहे हैं। मार्केट की आवश्यकता के अनुसार हम लोग नए-नए उत्पाद बनाते हैं और उसके लिए महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाता है। उन्होंने अपनी सफलता के संबंध में कहा कि हमने निरंतर नवाचार किया और सोशल मीडिया में इसका प्रचार भी किया और आज हमारे पास ऑर्डर की कोई कमी नहीं है। हमारे संस्थान से लगभग 280 महिलाओं लाभान्वित हो रही हैं और उनमें आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन आया है।

नवाचार पर प्रेरक व्याख्यान
दिनांक - 14 नवंबर 2025

कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि वेस्ट से बेस्ट तक की यात्रा आपका केंद्र करवाता है। आत्मनिर्भर बनने के लिए लोगों को स्वावलंबी होना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप नवाचार करके एवं उद्यमी बनके लोगों को रोजगार दे सकते हैं। उन्होंने विशिष्ट अतिथि का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि, आपके प्रेरक व्याख्यान से विद्यार्थियों को एक नई प्रेरणा मिली है।

कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता केंद्र की वरिष्ठ सलाहकार सुश्री निधि रावल गौतम द्वारा किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के अधिकारी,कर्मचारी और विद्यार्थीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संविधान दिवस
दिनांक - 26 नवंबर 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के सभागार में आज 76 वें संविधान दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एल.पी. झारिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने की,साथ ही इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलगुरु ने सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों को संविधान की शपथ भी दिलाई।

संविधान दिवस
दिनांक - 26 नवंबर 2025

76 वें संविधान दिवस के अवसर पर प्रो. एल.पी. झारिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है साथ ही यह संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। 1946 में संविधान सभा का गठन किया गया था और 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई थी। 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकृत करने के पश्चात, 26 जनवरी 1950 को भारत देश में लागू किया गया। डॉ. झारिया ने बताया कि, संविधान को बनाने में भारत के विभिन्न विद्वानों द्वारा दुनिया के लगभग 158 देशों के संविधानों का अध्ययन करने के पश्चात उसके वह प्रावधान जो भारत में उपयोगी हो सकते थे उनको संविधान में शामिल किया। भारत का संविधान एक ऐसा संविधान है,जो भारत की प्रकृति के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि संविधान नियमों एवं कानून का ऐसा संग्रह है, जिससे राज्य का संचालन होता है। भारत प्रांतों का एक संघ है इसमें देश की संप्रभुता केंद्र सरकार के पास रहती है। इस अवसर पर उन्होंने संविधान के उद्देशिका को भी पढ़ा और उसकी व्याख्या की।

डॉ. झारिया ने बताया कि, 42 वें संविधान संशोधन के जरिए हमारे उद्देशिका में समाजवादी,पंथनिरपेक्ष और अखंडता शब्दों को जोड़ा गया। संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य यह है कि, हम सब लोग संविधान के प्रति अपनी आस्था एवं प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करें। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि, डॉ. अंबेडकर एक महानायक थे जिन्होंने पूरे विश्व को एक नयी दृष्टि दी। उन्होंने स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुता को संविधान में स्थापित किया। डॉ. झारिया ने कहा कि, हमें राज्य द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करना चाहिए। हमारे संविधान में अनुच्छेद 14 से लेकर 32 तक मौलिक अधिकार दिए गए हैं। अगर किसी नागरिक के अधिकारों का हनन होता है तो, उसके विरुद्ध न्याय प्राप्त करने के लिए वह न्यायपालिका के शरण में जा सकता है। उन्होंने कहा कि, हमारे देश में एकात्म न्याय व्यवस्था है। यहां व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका में सामंजस्य रहता है।

संविधान दिवस
दिनांक - 26 नवंबर 2025

हमारे लिए यह चिंतन का विषय है की जिन उद्देश्यों को लेकर संविधान का निर्माण किया गया था, क्या वह पूर्ण हुए हैं ? इस पर हमें आत्म मंथन करना चाहिए, और उसे पूर्ण करने के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि, राजनीति शासन चलाने की एक कला है। अगर इसमें शिक्षित और अच्छे लोग आएंगे तो यह हमारे देश के लिए उत्तम होगा। भारत का संविधान सभी धर्म को समान रूप से विकास करने का अवसर प्रदान करता है। भारत देश का अपना कोई धर्म नहीं है। सामाजिक एवं धार्मिक समरसता बंधुता स्थापित करने की आज अत्यधिक आवश्यकता है। हमें नागरिक होने के नाते हमारे संविधान और कानून की आवश्यक जानकारी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि, हमें संविधान के प्रति आस्था रखने,उसे जानने और लागू करवाने में सहयोग प्रदान करना चाहिए।

संविधान दिवस
दिनांक - 26 नवंबर 2025

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने कहा कि, भारत का संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा है। हमारे साथ लगभग 50 देश स्वतंत्र हुए, इनमें से केवल हमारे देश में ही लोकतंत्र बचा हुआ है। उन्होंने बताया कि, हमारे हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत, साथ में सामंजस्य से रहने की परंपरा और हमारे जीवन मूल्यों के कारण ही हम लोकतंत्र के रास्ते पर चलते रहे। प्रो. दांडेकर ने कहा कि, हमारे हजारों वर्षों के जीवन मूल्यों का प्रकटी कारण ही हमारे संविधान में हुआ है।

संविधान दिवस
दिनांक - 26 नवंबर 2025

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि, भारत के संविधान से प्रेरणा लेकर कई देशों के संविधान बने हैं।

इस अवसर पर भारत में हुए 26 नवंबर 2008 के आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए उपस्थित सभी जनों ने मौन रखकर श्रद्धांजलि व्यक्त की ।

कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सहायता विभाग के निदेशक प्रो. रतन सूर्यवंशी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के कर्मचारी,अधिकारी और विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

गीता महोत्सव कार्यक्रम
दिनांक - 2 दिसंबर 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के सभागार में आज गीता जयंती के अवसर पर गीता महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भोज मुक्त विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. बी बी शर्मा एवं कार्यक्रम संयोजक कुल सचिव डॉक्टर सुशील मंडेरिया उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रो. बी. बी. शर्मा जी ने कर्म के फल की महत्व को बताते हुए कर्मण्येवाधिकारस्ते मां फलेषु कदाचना.... श्लोक का महत्व को चरितार्थ किया। प्रो. शर्मा जी ने रामधारी सिंह दिनकर जी की रचना "रश्मिरथी" का वर्णन करते हुए गीता में वैराग्य और अभ्यास से हम कैसे स्थिर स्थिति को प्राप्त कर सकते हैं इस के बारे में भी बताया। श्रीमद् भागवत गीता में 18 अध्याय हैं। भगवत गीता एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक ग्रंथ है। भगवान श्री कृष्णा ने विश्व समुदाय को कर्म योग के जरिए ही अपने धर्म का पालन करने की प्रेरणा दी है।

गीता महोत्सव कार्यक्रम
दिनांक - 2 दिसंबर 2025

कार्यक्रम में उपस्थित भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉक्टर सुशील मंडेरिया ने कहा मनुष्य को मानव जीवन कैसे जीना चाहिए यह गीता में कहा गया है। सकारात्मक बने। निष्पक्ष रहे। अहंकार से दूर रहे। क्रोध को नियंत्रण में रखें।वाणी में संयम हो। विपरीत से विपरीत परिस्थिति में हम अपना संयम ना खोए। गीता हमें यही सिखाती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्पेशल B.Ed. के छात्रों द्वारा कई कार्यक्रमों एवं भजन की सामूहिक प्रस्तुति दी गई।

गीता महोत्सव कार्यक्रम
दिनांक - 2 दिसंबर 2025

कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सहायता विभाग के निर्देशक प्रो. रतन सूर्यवंशी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी और विद्यार्थी गण उपस्थित थे।

इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनोवेशन काउंसलिंग की बैठक
दिनांक - 11 दिसंबर 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल में विश्वविद्यालय स्तर पर इंस्टीट्यूट आफ इन्नोवेशन काउंसिल (आई आई सी) की तिमाही बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का एजेंडा आई आई सी काउंसिल के सदस्यों को नए सत्र से परिचित कराना, आई आई सी कैलेंडर/ एम आई सी ड्राइव/ सेल्फ ड्राइव एक्टिविटी के बारे में चर्चा करना रहा। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर द्वारा की गई। बैठक मे यह भी निर्धारित किया गया कि आगामी माह में इन्नोवेशन काउंसिल द्वारा निर्धारित कैलेंडर अनुसार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मध्य प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों के विधार्थियों को सम्मिलित किया जाए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सहायता के निदेशक एवं विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेल के सदस्य डॉ. रतन सूर्यवंशी निर्देशित किया गया कि, वे सभी क्षेत्रीय केंद्रों से संपर्क साधें और जल्द से जल्द विधार्थियों तक सूचना पहुंचाएं,जिससे भारी संख्या मे विद्यार्थी इनका हिस्सा बन पाएं और लाभांवित हो सकें। डॉ. दांडेकर द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि इस सत्र का प्रथम आयोजन AI (अर्टिफिशिअल् इंटेलिजेंस) विषय पर आयोजित की जाए।

हिंदी ग्रंथ अकादमी और मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू
दिनांक - 30 दिसंबर 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय भोपाल में, मंगलवार को एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी और मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए।

बैठक का मुख्य उद्देश्य, हिंदी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करना था। बैठक में म प्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के प्रतिनिधियों एवं भोज मुक्त विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ मिलकर हिंदी भाषा के विकास और प्रचार प्रसार के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी और मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के बीच हुए इस समझौते से हिंदी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, साथ ही दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग भी बढ़ेगा।

हिंदी ग्रंथ अकादमी और मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू
दिनांक - 30 दिसंबर 2025

बैठक के आरंभ में, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल का शॉल एवं तुलसी का पौधा देकर अभिनंदन किया। बैठक की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने की।

विश्वविद्यालय की ओर से एम ओ यू पर कुलसचिव डॉ सुशील मंडेरिया द्वारा हस्ताक्षर किए गए जबकि हिन्दी ग्रंथ अकादमी की ओर से इस औपचारिकता का निर्वहन संयुक्त संचालक डॉ उत्तम सिंह चौहान द्वारा किया गया

इस अवसर पर विश्वविद्यालय विद्यार्थी सहायता विभाग के निदेशक प्रो. रतन सूर्यवंशी, वरिष्ठ सलाहकार सुश्री निधि रावल गौतम एवं विश्वविद्यालय और अकादमी के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक का संचालन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र एवं मुद्रा वितरण विभाग की निदेशक डॉ विभा मिश्रा द्वारा किया गया।